जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 26 संख्याः 284 प्रभात अजमेर, रविवार 15 मई, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

## रेणु जी का प्रेस पास रद्द

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मई। राजस्थान के मुख्यमंत्री के अधीन कांग्रेस सबसे नीचे स्तर पर गिर गई है।

उदयपुर में चल रहे चिन्तन शिविर में मीडिया का संचालन कर रहे ए.आई.सी.सी. के मीडिया विभाग द्वारा इस संवाददाता को पास दिए जाने सं इंकार कर दिया गया।

इसकी जांच करने पर पता चला कि इस संवाददाता का नाम काटने और कार्यक्रम की कवरेज का पास जारी ना करने का निर्णय मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा लिया गया और इस निर्णय से ए.आई.सी.सी. के मीडिया चेयरमैन रणदीप सिंह सुरजेवाला को अवगत

- चर्चा है कि, यह निर्णय मु.मंत्री के कार्यालय ने लिया तथा ए.आई.सी.सी. के मीडिया विभाग के अध्यक्ष सुरजेवाला को इस नीच कार्यवाही के लिए मजबूर किया।
- रेणु जी दिल्ली से चिंतन शिविर कवर करने आयीं हैं तथा अब तक, गत तीस वर्ष से उन्होंने लगभग सभी ए.आई.सी.सी. के अधिवेशन, बैठकें, चिंतन शिविर तथा सभी प्रेस ब्रीफिंग्स लगातार कवर की हैं।

करवाया गया।

इसके साथ ही मीडिया विभाग को यह निर्देश भी दिए गए कि इस संवाददाता को कोई रूम भी ना दिया जाए। यद्यपि इस सत्र की कवरेज के लिए दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों से आए मीडिया कर्मियों को होटल रॉयल रिट्रीट में कमरे आवंटित किए गए। यह होटल मीडिया के लिए आरक्षित रखा गया था। मजेदार बात यह है कि सुरजेवाला ने बिना कोई सवाल किए या इस संवाददाता का रूख जाने बिना मुख्यमंत्री की इच्छाओं का आंख मूंद कर पालन किया।

क्या ऐसा है कि यह आदमी बिल चुकाकर सर्वेसर्वा बना हुआ है और पार्टी तथा राज्य दोनों का मालिक बना हुआ है तथा अपनी खुद की सनक और कल्पनाओं को लेकर काम कर रहा है।

यह संवाददाता पिछले 30 वर्षों से करीब-करीब सभी ए.आई.सी.सी. सत्र,मीटिंग्स, चिन्तन शिविर, महत्वपूर्ण तथा रूटीन प्रैस ब्रीफिंग्स आदि कवर करती रही हैं। यह पहला मौका है, जबकि पार्टी ने अपनी उदार, जिओ और जीने दो की अप्रोच को त्यागकर एक फासिस्ट मॉडल अपना लिया है, जहां

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# राहुल व प्रियंका को आमने-सामने खड़ा करने का प्रयास

### आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राजनीतिक समिति की बैठक में प्रियंका को कांग्रेसाध्यक्ष बनाने की पैरवी की, क्योंकि राहुल दो साल से लगातार यह पद स्वीकार न करने पर अड़े हुए हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मई। एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि "नव संकल्प शिविर" ("चिन्तन" शब्द छोड़ दिया गया है) के केन्द्र-बिन्दु राहुल गांधी, उनकी बॉडी लैंग्वेज से "एन्ग्री यंग मैन" की प्रतिमूर्ति लग रहे हैं।

वे उदासीन एव भावशून्य तथा असहज दिखाई दिये। उन्होंने न तो विचार-विमर्शों में भाग लिया तथा न प्रतिनिधियों के बीच ही गये। वे अलग-थलग बने रहे।

राजनैतिक समिति में प्रियंका गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की माँग जोर पकड़ रही है तथा यह स्पष्ट हो गया है कि पार्टी विधिवत रूप से दो गुटों में बँटने की राह पर चल रही है तथा कांग्रेस पर इसका दीर्घकालीन प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष असर पड़ेगा, क्योंकि सोनिया गांधी राहुल को कांग्रेस अध्यक्ष बनाने पर अडिग बनी हुई हैं।

समझा जाता है कि आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राजनैतिक कमेटी में कहा कि पिछले दो साल से, राहुल गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की कोशिशें की जा रही हैं लेकिन अगर वे अध्यक्ष बनने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं, तो प्रियंका गांधी पार्टी अध्यक्ष बना दी जानी चाहिये क्योंकि वे पूरे देश में काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह निर्णय नहीं लिया गया तो 2024 के आम चुनावों में कांग्रेस के लिये बहुत नुकसानदेह हो सकता है। उन्होंने यह बात सोनिया एवं प्रियंका गांधी की मौजूदगी में कहीं, हालांकि राहुल गांधी वहाँ नहीं थे। खड़गे ने उन्हें शान्त करने की कोशिश की लेकिन आचार्य प्रमोद ने उनकी अनसुनी कर दी तथा जो कुछ उन्हें कहना था, कहते रहे।

- दीपेन्दर हूडा व रंजीत रंजन ने भी इस मांग का समर्थन किया और कहा, प्रियंका गांधी को यू.पी. की जिम्मेवारी से मुक्त कर, राष्ट्रीय स्तर पर काम लेना चाहिये, क्योंकि, वे पूरे देश में लोकप्रिय हैं।
- इन दोनों का मत था, जब तक कांग्रेस में नेतृत्व के इस मुद्दे पर निर्णय नहीं होता, बाकी किसी और बात का महत्व नहीं।
- छत्तीसगढ़ के मु.मंत्री ने गहलोत पर कटाक्ष किया कि, उन्होंने अगर राहुल गांधी द्वारा प्रस्तावित योजनाओं को मन से क्रियान्वित किया होता तो भाजपा पर भारी दबाव बनता।
- राहुल गांधी द्वारा नियुक्त एन.एस.यू.आई. व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ पुराने कांग्रेसी नेता काफी बोले।
- जी-23 की, चुनाव समिति के स्थान पर पार्लियामैन्टरी बोर्ड के गठन की मांग भी संभवतया स्वीकार हो जायेगी।

इसके बाद, इस बात को दीपेन्द्र हुडा तथा रंजीत रंजन ने भी दोहराया। रंजन ने कहा कि प्रियंका को उत्तर प्रदेश से मुक्त कर दिया जाना चाहिये तथा उनका उपयोग पूरे देश में पार्टी का प्रचार करने के लिये होना चाहिये क्योंकि वह पार्टी का सर्वाधिक लोकप्रिय चेहरा हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह मालूम होना बहुत जरूरी है कि पार्टी का नेता कौन है तथा जब तक इस प्रश्न पर स्थिति साफ नहीं होगी, तब तक अन्य किसी भी चीज का कोई खास, बल्कि कोई महत्व नहीं है। नेताओं ने कहा कि वे इस बिन्दु पर पूरी तरह सुस्पष्ट आश्वासन चाहते हैं कि अगला कांग्रेस अध्यक्ष कौन होगा तथा इस प्रश्न का भी साफ जवाब चाहिये कि राहुल गांधी इस पद को ग्रहण करने के लिये तैयार हैं या नहीं। इस बिन्दु पर सर्वसहमति थी कि

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## कांग्रेस किसी भी नेता को दो से अधिक बार नहीं भेजेगी राज्यसभा

उदयपुर, 14 मई (कासं)। उदयपुर में चल रहे कांग्रेस के चिंतन शिविर में संगठन की मजबूती और चुनाव की तैयारियों को लेकर कई अहम फैसले लिए जाने की उम्मीद है। इसमें से अहम प्रस्ताव राज्यसभा के कार्यकाल को सीमित करना भी है। कांग्रेस के चिंतन शिविर में एक नेता को दो से अधिक बार राज्यसभा नहीं भेजने पर भी चर्चा होनी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पैनल के समक्ष एक प्रस्ताव है कि किसी भी कांग्रेस नेता को राज्यसभा में दो से अधिक बार राज्यसभा में नहीं भेजा जाएगा, उसके बाद वे लोकसभा या विधानसभा चुनाव लड़ सकते है, लेकिन उनके नाम पर राज्यसभा में तीसरे कार्यकाल के लिए विचार नही किया जाना चाहिए। यह भी प्रस्ताव है कि भारतीय कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारियों का कार्यकाल पांच साल के लिए तय किया जाना चाहिए। इसके बाद तीन साल की कूलिंग अवधि होनी चाहिए। कार्यकाल पूरा होने के बाद पदाधिकारियों को इस्तीफा देना होगा या अन्य नेताओं के लिए अपना पद खाली करना होगा।

- चिंतन शिविर में होगा निर्णय।

## आगामी राज्यसभा चुनाव के बाद उच्च सदन में भाजपा की सीटें कम होंगी

### 10 जून को राज्यसभा की 57 सीटों के चुनाव होंगे, इनमें से 25 सीटें भाजपा के खाते की हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मई। 10 जून को होने वाले राज्यसभा के द्विवर्षीय चुनावों के बाद, उच्च सदन में सत्तारूढ़ भाजपा के संख्या बल में कमी हो जायेगी। राज्यसभा की कुल 57 सीटों के लिये चुनाव होने हैं। भाजपा की 25 सीटें खाली हो रही हैं तथा वह इन सभी को नहीं जीत पायेगी।

वास्तविकता यह है कि भाजपा 3 या 4 सीटें राजस्थान में खोयेगी तथा आंध्र प्रदेश में भी वह उन 3 सीटों को नहीं जीत पायेगी, जो उसने पिछली बार जीती थीं। हाँ, उत्तर प्रदेश, जहाँ 11 सीटों के लिये चुनाव होने हैं, में उसकी सीटें बढ़ेगी क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाला नैशनल डेमोक्रेटिक अलायंस यहाँ 7 या 8 सीटें जीत लेगा, जबकि इस समय उसके पास इनमें से 5 सीटें हैं।

उत्तर प्रदेश से राज्यसभा में 31 सदस्य जाते हैं तथा इनका चुनाव उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य करते हैं। सेवानिवृत्त होने वाले सदस्यों में से 3 समाजवादी पार्टी के, 2 बसपा के तथा 1 सदस्य कांग्रेस पार्टी का है। इस समय उत्तर प्रदेश में बसपा एवं कांग्रेस के क्रमशः 1 तथा 2 विधायक ही हैं, अतः ये दोनों ही पार्टियाँ इस राज्यसभा चुनाव की दौड़ में नहीं हैं।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में कुल 403 निर्वाचित सदस्य हैं तथा इसलिये एक उम्मीदवार को जीतने के लिये कम

- इन 25 में से कई सीटें भाजपा के हाथ से निकल सकती हैं। पार्टी राजस्थान में 3-4 सीटें हार सकती है और आंध्र प्रदेश, जहां पिछली बार तीन सीट जीती थीं, में भी भाजपा को निराशा मिलेगी।
- उत्तर प्रदेश में अवश्य इसे सफलता मिल सकती है, जहां 11 सीटों पर चुनाव होगा, इनमें से 7-8 भाजपा जीत सकती है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## स्थानीय नागरिकों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं में शिविर को लेकर उत्साह नहीं

### 'अगर चिंतन ही करना था तो शहर के मध्य पाण्डाल में भी किया जा सकता था। सात सितारा होटल में बैठकर "नवसंकल्प" लेने का प्रयास निरर्थक है'

उदयपुर, 14 मई (कासं)। उदयपुर में चल रहे कांग्रेस के तीन दिवसीय नवसंकल्प चिंतन शिविर से पार्टी स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों में कोई उत्साह नहीं है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस का तीन दिवसीय चिंतन शिविर शुक्रवार से उदयपुर की सात सितारा होटल अरावली ताज में चल रहा है जहां सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित देश के 450 कांग्रेस के शीर्ष नेता पार्टी में प्राणवायु संचार करने के लिए मंथन कर रहे हैं, वहीं इतना बड़ा आयोजन होने के उपरान्त भी स्थानीय नागरिकों में उत्साह नहीं है। उनका मानना है कि ऐसे शिविरों से आमजन का कोई भला होने वाला नहीं। अगर चिंतन ही करना था तो शहर के मध्य पाण्डाल में भी किया जा सकता था। सात सितारा होटल में बैठकर "नवसंकल्प" लेने का प्रयास निरर्थक है। इससे पार्टी में नवचेतना का संचार होगा, यह सोचना भी बेमानी है। शिविर के माध्यम से आमजन के धन से नेताओं पर ऐश करने के आरोप भी लगाए जा रहे है। कुछ लोगों का मानना है कि शिविर को चिंतन का रूप दिया गया है। इसलिए आमजन को ऐसे शिविर से कोई उम्मीद भी नहीं है।

इधर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आयोजन से दूर रखे जाने के कारण उनमें भी निराशा है और उनमें शिविर को लेकर इतना उत्साह दिखाई नहीं दे रहा है। जो भी कार्यकर्ता वहां कार्य करते दिखाई दे रहे हैं, वे मात्र औपचारिकता कर रहे हे। आयोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था एक इवेंट कम्पनी को सौंपी गई जो सारी व्यवस्थाओं की देखरेख कर रही है। इससे स्थानीय कार्यकर्ताओं को कोई मौका नहीं मिल रहा है। इधर दूसरे दिन शिविर स्थल की सुरक्षा भी बढ़ा दी

- शिविर के माध्यम से आमजन के धन पर ऐश करने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं नेताओं पर। कुछ लोगों का मानना है कि, चिंतन का जो स्वरूप सामने आया है, उससे आमजन को चिंतन शिविर से कोई उम्मीद नहीं है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'सैलून में टैक्नीशियनों द्वारा "हेयर ट्रांसप्लान्ट" करना गैरकानूनी'

### दिल्ली हाई कोर्ट ने यह आदेश देते हुए कहा कि, हेयर ट्रांसप्लान्ट सर्जरी केवल प्रशिक्षित डॉक्टरों द्वारा ही की जा सकती है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 14 मई। दिल्ली हाई कोर्ट ने सैलूनों में "कॉस्मैटिक" या सौंदर्यशास्त्र संबंधी सर्जरी की सुविधा अवैध तरीके से प्रदान कराये जाने के संदर्भ में दिल्ली पुलिस कमिश्नर को आदेश दिये हैं कि वह इस अवैध धंधे पर रोक लगाने के लिए सख्त कार्यवाही करे। अदालत ने प्रशिक्षित डॉक्टर की गैरमौजूदगी में "हेयर ट्रांसप्लान्ट" जैसी सर्जरी करने के अवैध धंधों पर रोक लगाने के लिए इस आदेश की एक-एक प्रति स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, दिल्ली स्वास्थ्य विभाग, नैशनल मैडिकल कमीशन और दिल्ली पुलिस को भी भेजी है और कहा है कि वे इस मामले की अगली तारीख, 27 जुलाई, से पहले वस्तुस्थिति की रिपोर्ट पेश करें।

इस मामले में न्यायाधीश अनूप कुमार मैन्दीरत्ता ने अज़हर रशीद की ओर से, संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दायर "क्रिमिनल रिट" याचिका, पर सुनवाई करते हुए आदेश दिये।

- दिल्ली हाई कोर्ट के समक्ष यह मुकदमा तब आया जब सैलून में "हेयर ट्रांसप्लान्ट" कराने के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। यह "हेयर ट्रांसप्लान्ट" सैलून में कार्यरत "टैक्नीशियनों" ने किया था।
- इस मामले में सैलून के संचालक और एक टैक्नीशियन को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इस मामले में याचिकाकर्ता अज़हर रशीद के भाई अथार रशीद की "यूनाइटेड हेयर स्टूडियो" नामक सैलून में "हेयर ट्रांसप्लान्ट" कराने के बाद हुए संक्रमण से 26 जून 2021 को मौत हो गई थी। याचिकाकर्ता ने इस मामले में पहले पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी, परन्तु फिर भी कोई कार्यवाही नहीं की गई, जिसके बाद तंग आकर उसने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और इस मामले की जांच सी.बी.आई. से कराने की गुहार की।

इस मामले की सुनवाई के दौरान सामने आया कि "एस्कॉर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट एण्ड रिसर्च सैन्टर" में अथार रशीद को मृत्यु से पहले इलाज के लिए भर्ती किया गया था। और इस "इंस्टीट्यूट" ने ही अथार रशीद की मृत्यु का कारण "सैप्टिक शॉक" (यानी भारी संक्रमण) के साथ-साथ त्वचा के गंभीर असाधारण विकार, "स्टीवन्स जॉनसन सिन्ड्रोम", रिकॉर्ड किया था, जिसके कारण मरीज अथार रशीद शरीर के सारे अंगों ने कार्य करना बंद कर दिया था। अदालत ने अपने आदेश में आगे कहा है कि "यूनाइटेड हेयर स्टूडियो" के संचालकों को हिरासत में ले लिया गया है। अदालत ने अपने आदेश में आगे

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )